सामाजिक रूप से सशक्त हो रहीं झारखंड की ग्रामीण महिलाएं

सशक्त महिलाओं से समृद्ध समाज का निर्माण होगा. झारखंड की ग्रामीण महिलाएं इस ओर कदम बढ़ा चुकी हैं. समूह से जुड़ कर खुद तो गरीबी से बाहर निकल ही रही हैं, गांव-समाज के विकास के लिए भी सोच रही हैं. झारखंड के ग्रामीण युवक-युवतियों की जरूरतों को भी समझ रही हैं. कम्युनिटी जर्नलिस्ट के तौर पर भी महिलाएं अब काफी बेहतर कार्य कर रही हैं. अब सिर्फ समूह की महिलाओं की सफलता ही नहीं, प्रधानमंत्री तक के कार्यक्रमों की रिपोर्टिंग बखूबी कर रही हैं. सामाजिक आयोजनों को भी कवर कर रही हैं. सखी संवाद के जरिये सखी मंडल की महिलाएं सीधे सरकार के सामने अपनी उपलब्धियां गिना रही हैं और गांव की समस्याओं को दूर करने की मांग भी कर रही हैं. महिलाओं का दायरा अब समूह से निकल कर समाज और गांव तक बढ़ गया है.

प्रतिभा से परचम लहरा रहीं बेटियां

खेल का अभ्यास करतीं बालिकाएं.

झारखंड की बालिकाओं का इतिहास समृद्ध रहा है. यहां की बेटियों ने खेल के क्षेत्र में देश और विदेशों में अपना परचम लहराया है, पर कई बार उचित मंच के अभाव में बेटियों की प्रतिभा को सही पहचान नहीं मिल पाती है. ग्रामीण बालक-बालिकाओं को पहचान दिलाने और उनकी छिपी हुई प्रतिभा को निखारने के लिए सीसीएल की ओर से प्रयास किये जा रहे हैं. हर रोज सुबह चार बजे कांके प्रखंड के सुकुरहुट्टू स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर विद्यालय के मैदान में लगभग 250 बच्चे-बच्चियां खेल का अभ्यास करने को जुटती हैं. गांव के खेल प्रशिक्षक द्वारा उन्हें खेल की बारीकी बतायी जाती है. सभी बच्चे आस-पास के गांव चेड़ी, मनातू, गागी, कदमा, गारू, मालश्रृंग, सिरांगो समेत अन्य गांवों से आते हैं. इन बालिकाओं का सपना है कि खेल के जरिये अपने राज्य और देश का नाम रोशन कर सकें. इसी मैदान में सीसीएल द्वारा बच्चों का ट्रायल भी कराया जाता है. ट्रायल में जिन बच्चे-बच्चियों का चयन होता है, उन्हें रांची के मोरहाबादी मैदान में भेजा जाता है. ट्रायल में चयनित होने पर उन्हें खेलगांव में ट्रायल के लिए आना पड़ता है. इसके बाद खेलगांव में इन्हें खेल का प्रशिक्षण दिया जाता है. सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय के मैदान में अभ्यास करते हुए अब तक पांच बच्चियों का चयन हो चुका है, जो खेलगांव में अभ्यास कर रही हैं. राज्य सरकार और सीसीएल के प्रयास से आज बच्चियां अपनी छिपी प्रतिभा को निखार रही हैं. खेलकूद के साथ-साथ बालिकाएं पढ़ाई-लिखाई में भी काफी आगे हैं. स्कूली शिक्षा हो या कला-कौशल, चिकित्सा या अन्य किसी भी क्षेत्र में राज्य की बेटियां आगे बढ़ रही हैं. एक वक्त था जब लोग अपनी बेटी को पढ़ाना नहीं चाहते थे, लेकिन अब बेटा-बेटी दोनों को एक ही स्कूल में बेहतर शिक्षा दिला रहे हैं. बालिकाएं खुद अपनी पसंद के अनुसार विषय का चयन कर रही हैं और करियर में आगे बढ़ रही हैं. सरकार की ओर से भी बालिकाओं को आगे बढ़ाने के लिए कई योजनाएं चलायी जा रही हैं. बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ, कस्तूरबा बालिका विद्यालय, मुख्यमंत्री सुकन्या योजना, कौशल विकास योजना जैसी योजनाओं का लाभ बालिकाएं उठा रही हैं और आगे बढ़ते हुए अपना भविष्य उज्ज्वल कर रही हैं. शिक्षित होकर बालिकाएं आत्मनिर्भर हो रही हैं. इसके कारण समाज से दहेज प्रथा, महिला उत्पीड़न, बाल विवाह जैसी घटनाएं पहले के मुकाबले कम हो रहे हैं. राज्य में अब बालिकाओं को भी अपना हुनर दिखाने के लिए समान अवसर प्रदान किये जा रहे हैं. इससे यह बात तो स्पष्ट हो गयी है कि अब बालिकाएं आगे बढ़कर अपने लिए उज्ज्वल भविष्य का निर्माण कर रही हैं.

सुषमा देवी

प्रखंड : कांके
जिला : रांची

युवा दिवस पर प्रोत्साहित किये गये युवा

सुनीता देवी

प्रखंड : कांके
जिला : रांची

रांची जिले की हुंदूर पंचायत अंतर्गत चारी हुजीर मैदान में युवा दिवस के मौके पर युवा महोत्सव मनाया गया. स्वामी विवेकानंद की जयंती के मौके पर आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान फुटबॉल मैच का आयोजन हुआ. समारोह में बतौर मुख्य अतिथि पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो के साथ-साथ कांके प्रखंड के बीडीओ, 20 सूत्री अध्यक्ष, जिला परिषद सदस्य, प्रखंड प्रमुख, जेएसएलपीएस के पदाधिकारी और सखी मंडल की महिलाएं शामिल हुईं. इस दौरान मुकुंद नायक ने सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किया. इस दौरान सभी अतिथियों ने स्वामी विवेकानंद को याद करते हुए उनके बताये रास्ते पर चलने का संकल्प लिया. युवा हमारे देश के धरोहर हैं. युवा शक्ति से ही समृद्ध भारत का निर्माण होगा. इसके बाद फुटबॉल मैच की शुरुआत हुई. मैच से पहले मुख्य अतिथि से खिलाड़ियों का परिचय कराया गया. रांची और कोलकाता की टीम के बीच फाइनल मैच खेला गया. मैच देखने के लिए काफी दूर-दराज से लोग आये थे. सखी मंडल की दीदियों ने भी मैच का लुत्फ उठाया.

युवा महोत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि का स्वागत करतीं महिलाएं.

मुर्गी पालन से आर्थिक मजबूत हुईं मरियम बीबी

शर्मिला देवी

पंचायत : प्रतापपुर
जिला : गढ़वा

गढ़वा जिले की प्रतापपुर पंचायत अंतर्गत पतसा गांव की मरियम बीबी मुर्गीपालन कर अपना और अपने परिवार का भविष्य संवार रही हैं. पहले मरियम अपने और परिवार का खर्च के लिए पूरी तरह अपने पति पर निर्भर थीं. नौ सदस्यों वाला परिवार जीवन-यापन के लिए एक सदस्य पर आश्रित था. जिसके कारण मरियम को आर्थिक समस्याओं से गुजरना पड़ता था और अपनी जरूरतों के लिए दूसरों के आग हाथ फैलाना पड़ता था. मरियम के पति की कमाई भी बहुत ज्यादा नहीं थी, जिसके कारण परिवार चलाने में काफी मुश्किलें आ रही थीं. जिसके बाद वर्ष 2017 में मरियम बीबी चमेली आजीविका सखी मंडल से जुड़ीं. उसके बाद उन्होंने घर से कुछ पैसा लेकर और समूह से 15,000 रुपये लोन लेकर मुर्गीपालन का काम शुरू किया. मुर्गीपालन का काम शुरू करने के बाद मरियम अब प्रतिमाह आठ-दस हजार रुपये कमा रही हैं, जिससे अब आर्थिक परेशानी दूर हुई है. इस कमाई से मरियम आज अपने परिवार का भविष्य संवार रही हैं. आज मरियम का परिवार बहुत खुश है. मरियम और उनके पति दोनों मिल कर मुर्गीपालन का कार्य करते हैं. जिससे उनके परिवार में खुशहाली है.

चूजों को चारा खिलातीं मरियम बीबी.

सखी संवाद में दीदियों ने सरकार के समक्ष रखीं बात

सखी संवाद में अपनी बात रखतीं सखी मंडल की दीदियां.

रांची जिले के अनगड़ा प्रखंड में सखी संवाद कार्यक्रम का आयोजन हुआ. इसके माध्यम से ग्रामीण महिलाएं अपनी बात सीधे सरकार के प्रतिनिधियों के सामने रखीं, ताकि जल्द से जल्द उसका समाधान निकल सके. इस अवसर पर महिला समूह की दीदियों ने अपना अनुभव साझा किया. जेएसएलपीएस की बीएलएफ अध्यक्ष मोनिका देवी ने बताया कि अनगड़ा प्रखंड की 21 पंचायतों में 83 गांव हैं. एनआरएलएम के तहत लक्षित परिवारों की संख्या 17,900 है. इसमें से 16,850 परिवार महिला समूह से जुड़े हैं. कुल 1395 महिला समूह हैं, जिनमें से 1195 समूहों को आरएफ की राशि मिल चुकी है. मोनिका देवी ने अनगड़ा प्रखंड के सभी समूहों, ग्राम संगठन, सीआइएफ की जानकारी दी. हेसल कलस्टर की सेतु दीदी ने बताया कि उनका काम ग्रामीणों तक सरकारी सेवाओं और सुविधाओं का लाभ पहुंचाना है. विभिन्न विभागों के द्वारा जो भी योजनाएं चलायी जा रही हैं, उससे ग्रामीणों को लाभ मिल रहा है. अनगड़ा प्रखंड में सखी मंडलों को 2125 शौचालयों के निर्माण के लिए 2 करोड़ 55 लाख की राशि दी गयी थी, जिसमें से 2 करोड़ 44 लाख रुपये खर्च करके 2039 शौचालयों का निर्माण हो चुका है. 86 शौचालयों का निर्माण कार्य प्रगति पर है. पीको प्रोजेक्ट के तहत कार्य चल रहा है. इसके माध्यम से सभी को स्वास्थ्य और पोषण के लिए जागरूक किया जा रहा है. उज्ज्वला योजना के तहत 693 दीदियों को लाभ लेने के लिए सहयोग किया गया है. 994 किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से जोड़ा गया है. आइसीआरपी अनीता देवी ने कहा कि समूह से जुड़ कर आज वो खुशहाल जिंदगी जी रही हैं. अपनी जरूरतों के लिए उन्हें अब किसी के आगे हाथ नहीं फैलाना पड़ता है. बैंक सखी सरिता देवी ने ग्रामीणों को बैंक की सुविधाएं उनके घरों में ही उपलब्ध कराने में सहयोग की है. इस दौरान सखी मंडल की अन्य महिलाओं ने भी अपने कार्यों के बारे में बताया. सखी संवाद में अपनी बात रख कर महिलाएं काफी संतुष्ट हुईं. इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि खिजरी विधायक राम कुमार पाहन समेत सांसद प्रतिनिधि सुलेंद्र महतो, प्रमुख अनीता गाड़ी एवं सिरका, राजाडेरा, जोन्हा और चिलदाग के मुखिया शामिल हुए. कार्यक्रम के दौरान जेएसएलपीएस के पदाधिकारी व सखी मंडल की महिलाएं भी मौजूद थीं.

रूबी खातून

प्रखंड : अनगड़ा
जिला : रांची

सखी संवाद में मिली जानकारी

पश्चिमी सिंहभूम जिले के मनोहरपुर प्रखंड अंतर्गत स्कूल ग्राउंड में सखी संवाद कार्यक्रम का आयोजन हुआ. इस अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी, कल्याण पदाधिकारी राजेंद्र बाड़ा, 20 सूत्री अध्यक्ष राजकुमार लोहार समेत जेएसएलपीएस से जुड़े बीएलएफ, सीएलएफ, ग्राम संगठन और महिला समूह की दीदियां शामिल हुईं. प्रार्थना और सामाजिक बुराई को मिटाने की शपथ के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया. इसके बाद सखी मंडल से जुड़ी महिलाओं ने अपनी सफलता की कहानी उपस्थित महिलाओं को बतायी. सखी संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बीपीएम ने प्रखंड में जेएसएलपीएस के द्वारा चलायी जा रही सभी योजनाओं की जानकारी दी. उन्होंने कहा कि अभी तक 799 समूहों का बैंक लिंकेज हो चुका है. बैंक के द्वारा इन समूहों को अब तक एक करोड़ की राशि दी जा चुकी है. इस दौरान दीपिका स्वयं सहायता समूह को बेस्ट समूह, रायडीह आजीविका ग्राम संगठन को बेस्ट ग्राम संगठन, पांचपहिया आजीविका महिला संकुल संगठन को बेस्ट सीएलएफ का अवार्ड दिया गया. सखी संवाद को लेकर महिलाएं काफी उत्सुक थीं. महिलाओं ने बताया कि सखी संवाद कार्यक्रम के माध्यम से उन्हें कई सारी जानकारी मिली.

आशा तिग्गा

प्रखंड : मनोहरपुर
जिला : पश्चिमी सिंहभूम

मंडल डैम से किसानों को लाभ

पलामू प्रमंडल के किसानों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सौगात दी है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मेदिनीनगर में मंडल डैम परियोजना समेत छह योजनाओं की आधारशिला रखी. प्रधानमंत्री ने कहा कि पानी को लेकर राजनीति हो रही है. एक राज्य द्वारा दूसरे राज्य से लड़ाई करने की वजह से मंडल डैम का काम रुका हुआ था, लेकिन अब झारखंड और बिहार दोनों राज्यों की सरकारों ने मिलकर मंडल डैम परियोजना को पूरा करने में समझदारी दिखायी है. मंडल डैम के बन जाने से किसानों को सिंचाई में लाभ मिलेगा, जिससे अच्छी खेती होगी और किसानों को फायदा होगा. प्रधानमंत्री ने कहा कि किसान हमारे अन्नदाता भी हैं. हमारी सरकार की कोशिश है किसानों को कर्ज से उबारने की. किसानों को आर्थिक तंगी से नहीं गुजरना पड़े. इसके लिए सरकार प्रयासरत है. प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत उन्होंने 25 हजार लाभुकों को गृह प्रवेश भी कराया. मौके पर राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू, मुख्यमंत्री रघुवर दास, केंद्रीय राज्य मंत्री सुदर्शन भगत, सांसद बीडी राम समेत कई मंत्री और विधायक मौजूद थे. समारोह में लातेहार जिले से 12 हजार सखी मंडल की दीदियों ने भी हिस्सा लिया.

नेहा कुमारी

प्रखंड : बरवाडीह
जिला : लातेहार

दीदियों ने किया सीधा संवाद

कोडरमा जिले के डोमचांच प्रखंड स्थित चंद्रावती उच्च विद्यालय मैदान में सखी संवाद का आयोजन किया गया. कार्यक्रम के दौरान सखी मंडल की दीदियों ने अपने-अपने अनुभव साझा किये. इस दौरान बताया गया कि अब तक राज्य में 01 लाख 68 हजार सखी मंडल का निर्माण हो चुका है. आनेवाले समय में अधिक से अधिक महिलाओं को समूह से जोड़ने के लिए सखी मंडल कार्य कर रही है. सरकार के माध्यम से जेएसएलपीएस द्वारा चलायी जा रही योजनाएं, सखी मंडल द्वारा हासिल की गयी उपलब्धियां और उनकी कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से बताया गया. शिक्षा मंत्री डॉ नीरा यादव ने सखी संवाद को संबोधित करते हुए कहा कि शौचालय निर्माण में सखी मंडल की महिलाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं. उन्होंने सखी मंडल की महिलाओं को और बेहतर कार्य करते हुए समाज निर्माण में अपनी सहभागिता निभाने की अपील की. सखी संवाद कार्यक्रम में शिक्षा मंत्री डॉ नीरा यादव के अलावा डोमचांच नगरपालिका अध्यक्ष राजकुमार मेहता, डोमचांच प्रखंड प्रमुख सत्यनारायण यादव, जिला परिषद शांति प्रिया समेत प्रखंड की सभी बैंक सखी, पशु सखी, आजीविका कृषि मित्र, समेत सखी मंडल की महिलाएं उपस्थित थीं.

प्रमिला कुमारी

प्रखंड : डोमचांच
जिला : कोडरमा

सखी संवाद में रखी अपनी बात

गोड्डा जिला अंतर्गत बसंतराय प्रखंड के ऐतिहासिक मैदान में सखी संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया. बसंतराय प्रखंड के बीपीएम ने सखी मंडल के द्वारा प्रखंड में किये जा रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी दी और कार्य प्रगति के बारे में बताया. कार्यक्रम में सखी मंडल की दो दीदियों ने अंत्योदय योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी. मुख्य अतिथि ने कहा कि कार्यक्रम में आना और दीदियों के अनुभवों को सुनना सुखद रहा. उन्होंने कहा कि वो समूह की महिलाओं को हर संभव सहायता करने का प्रयास करेंगे. 30 वर्ष से अधिक की विधवा महिलाओं को आवास मुहैया कराया जायेगा. प्रखंड विकास पदाधिकारी ने कहा कि शौचालय निर्माण में दीदियों ने बहुत महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभायी है. जिन लोगों को सामाजिक सुरक्षा योजना का लाभ नहीं मिला है, वो जरूरी कागजात प्रखंड कार्यालय में जमा करा दें. सड़क की समस्या को लेकर भी महिलाओं ने सवाल उठाये. जिला परिषद के सदस्यों ने कहा कि अब महिलाएं कमजोर नहीं हैं. ग्रामीण महिलाएं बहुत आगे बढ़ गयी हैं. कार्यक्रम में गोड्डा जिले के अधिकारी, बीडीओ, विभिन्न पंचायतों के मुखिया समेत सखी मंडल की दीदियों ने हिस्सा लिया.

रंजू कुमारी

प्रखंड : बसंतराय
जिला : गोड्डा